जब हृदय में आनंद आने लगे तो समझ लेना नंद का उत्सव है: वंदनाश्री

देवास अंचल न्यूज

अभाव में भी ईश्वर के प्रति भाव में विभक्ति न हो, अव्यवस्था में भी सुख और प्रसन्नता दिखे तथा जहां पर देह का अभिमान नहीं उपज रहा हो समझ लेना यहां आनंद है। कृष्ण बुद्धिमान और चतुर लोगों को पसंद नहीं करते। हमारे ठाकुरजी तो प्रेमी लोगों के भाव के भूखे हैं। प्रेम अर्थात जिसका वर्णन नहीं किया जा सकता और जिस प्रेम में भक्ति की रसधारा बहने लगती है वह आनंद है। हृदय में आनंद में आनंद आने लगे तो समझ लेना नंद का उत्सव है। प्रेम का यह विशलेषण कैलादेवी मंदिर में हो रही श्रीमद भागवत कथा के पंचम दिवस पर नंद के घर आनंद का वर्णन करते हुए वंदना श्री ने कहे। आपने कहा कि कथा आंख मूंदकर सुनी जा सकती है। किंतु लीला तो आंख खोलकर ही देख सकते हैं। जिस कथा में कान, आँख और ध्यान केन्द्रित हो उस लीला में आनंद आना सुनिश्चित है। श्री कृष्ण की बाल लीलाओं का वर्णन करते हुए आपने कृष्ण की माखन चोरी, दही मटकी का फोडना, पूतना का वध, कालिया नाग मर्दन, यशोदा के वात्सल्य भाव का चित्रण किया और कलाकारों ने अपने अभिनय के माध्यम से श्रोताओं को भाव विभोर कर दिया। कथा में बतौर अतिथि इंदौर विधायक रमेश मेंदोला, समाज सेवी राधेश्याम सोनी, पूर्व महापौर रेखा वर्मा, पार्षद अकीला अजयसिंह ठाकुर, ओ.पी. तापडिया, राजेश यादव, नवीन सोलंकी, सुमेरसिंह दरबार, राम पदारथ मिश्रा, अखिलेश सेंगर आदि उपस्थित थे। व्यास पीठ की पूजा दीपक गर्ग, अनामिका गर्ग एवं परिवार ने की। विधायक रमेश मंदोला का स्वागत कैलादेवी पारमार्थिक ट्रस्ट के अध्यक्ष योगेश बंसल ने किया। संचालन चेतन उपाध्याय ने किया।